रविवासरीय

हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

रविवार, 09 मार्च 2014, नई दिल्ली, पांच प्रदेश, 18 संस्करण

www.livehindustan.com

वर्ष 11, अंक 10, 20 पे

कठपुतली कॉलोनी के विस्थापित बच्चों के लिए स्कूल शुरू

नई दिल्ली | वरिष्ठ संवाददाता

ट्रांजिट कैंप में शुक्रवार को कुछ अलग ही माहौल था, एक तरफ जहां कई परिवार अपने घरेलू सामान को कमरों में रखने और सजाने में लगे थे, वहीं दूसरी ओर कुछ छोटे बच्चे एक बड़े से कमरे में अ से अनार और एबीसीडी व पहाड़े दोहरा रहे थे। हालांकि बीच-बीच में यह बच्चे कमरे से बाहर से गुजरने वाले लोगों को देखने लग जाते हैं, लेकिन शिक्षिका की आवाज पर फिर से पढ़ाई पर ध्यान देने लगते हैं।

दरअसल बेसिक शिक्षा से भी अब तक दूर रहे यह बच्चे दो दिन से ही स्कूल की शक्ल देख रहे हैं। यह स्कूल ट्रांजिट कैंप में पहुंचे गरीब परिवारों के बच्चों के लिए शुरू किया गया है। महज दो दिन के भीतर इस स्कूल में अब तक तीस से अधिक बच्चे पहुंच चुके हैं। जहां बच्चों को कॉपी-किताब व पेंसिल इत्यादि के साथ-साथ भोजन भी दिया जा रहा है। यहां पहुंचने वाले कई बच्चे पढ़ने से अधिक कॉपी-किताब लेने की चाह में आए हैं।

ट्रांजिट कैंप में स्कूल संचालक डिंपल भारद्वाज ने बताया कि यहां पहुंचे कई परिवारों की ओर से भी यह मांग की गई थी कि उनके बच्चों को शिक्षा के लिए स्कूल मिले। इसी बात को देखते हुए नवीन रहेजा ने यह स्कूल आरंभ कराया है। जिसमें दो दिन में तीस से अधिक बच्चे पहुंचे हैं। इन बच्चों को इस तरह से शिक्षा से जोड़ा जा रहा है कि वह खेल-खेल में ही सारी बात जान सकें। स्कूल पहुंचे कई बच्चे सात वर्ष तक की उम्र में पहुंचने के बावजूद अब तक स्कूल नहीं गए हैं।

वहीं कठपुतली कालोनी में परिवारों की शिफ्टिंग अब धीरे-धीरे बढ़ने लगी है। शुक्रवार तक ढाई सौ से अधिक लोगों ने शिफ्टिंग के लिए डीडीए कैंप में अपना रजिस्ट्रेशन कराया। साथ ही 55 से अधिक परिवार अब तक कालोनी

ट्रांजिट कैंप में पहुंचे परिवारों के बच्चों के लिए शुरू किए गए स्कूल में शिक्षिका के साथ बच्चे। • हिन्दुस्तान

छोड़कर ट्रांजिट कैंप में शिफ्ट कर गए हैं। इन परिवारों को ट्रांजिट कैंप बनाने वाले रहेजा डेवलपर की ओर से शिफ्टिंग में मदद के अलावा खाने-पीने का सामान भी मुफ्त दिया जा रहा है। उधर कठपुली कालोनी में कई लोग अब भी जमीन लेने की बात पर अड़े हुए हैं। कालोनी के प्रधान व कई अन्य लोगों का कहना है कि 11 मार्च को कोर्ट से आने वाले निर्णय से बेहद उम्मीद है। उनका कहना है कि कोर्ट अवश्य ही लोगों की भावनाओं को समझेगा और उनकी मदद करेगा।